"टिस्को" में टाटा का निवेशांश

3208. **श्री राम अवधेश सिंह** : क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि "टिस्को" मे सरकारी पूजी की अपेक्षा टाटा की निजी पूंजी का निवेश बहुत कम है, यदि हां, तो टाटा द्वारा स्वयं लगाई गई पूंजी का ब्यौरा क्या है और अन्य संस्थाओं तथा व्यक्तियों द्वारा लगाई गई पूजी का ब्यौरा क्या है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि इस कम्पनी के बहीखातों का लेखा-परीक्षण एक सरकारी एजेन्सी के बजाय चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स के किसी प्राइवेट ग्रुप द्वारा किया जा रहा है ; और

(ग) क्या सरकार "टिस्को" द्वारा की गई बिक्री, खरीददारी तथा कर अदायगी की जांच एक संसदीय समिति से कराने का विचार रखती है, ताकि कर अपवंचन तथा खरीददारी और बिक्री में अनियमितताओं के रूप में राजस्व को जो करोड़ों रुपये का नुकसान होता हैं, उसे तुरन्त रोका जा सके ?

उद्योग मंत्रालय में औद्योगिक विकास विभाग में राज्य मंत्री (श्री एम० अरुणाचलम्) : (क) 31-3-1988 को टिस्को की इक्विटी शेयर धारिता के प्रतिमान का ब्यौरा नीचे दिया गया है :—

संस्था का नाम	शेयरों की संख्या का प्रतिशत
1	2
1. सार्वजनिक वित्तीय संस्थाए एल० आई० सी०, जी० आई० सी०, यू० टी० आई०, इत्यादि	41.92
2. राष्ट्रीयकृत बैंक	1.48
3. राज्य सरकार	0.04
4. गैर राष्ट्रीयकृत बैंक	0.24
5. न्यास	2.56
6. टाटा कम्पनियां	3.16
7. जनसाधारण (कम्पनियों सहित)	50.60
योग :	100.00

(ख) टिस्को न तो कम्पनी अधिनियम की धारा 617 के अन्तर्गत यथापरिभाषित सरकारी कम्पनी है और न ही धारा 619ख के अन्तर्गत एक कम्पनी है। अतः उनके लेखा परीक्षकों की नियुक्ति अधिनियम की धारा 619 के अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार द्वारा नहीं की जाती है।

(ग) ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है।

Visit of Industry Minister to USA and Japan

3209. SHRI SURESH PACHOURI: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether it is a fact that he alongwith the official team of his Ministry visited USA and Japan during the month of May, 1988 for exploring the possibility of attracting more direct foreign investment and transfer technology; and

(b) if so, to what extent the mission was successful?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI M. ARUNACHALAM): (a) Yes, Sir.

(b) The visit to the United States of America was undertaken to further concretise economic and technological cooperation between the two countries particularly in the fields of chemicals pharmaceuticals and petrochemicals. The response from the U.S. Industry has been very encouraging.